सुक सनकादि भगत मुनि नारद । जे मुनिबर बिग्यान बिसारद ।।
सुक सनकादि सिद्ध मुनि जोगी । नाम प्रसाद ब्रह्मसुख भोगी ।।
पूछिहुँ राम कथा अति पावनि । सुक सनकादि संभु मन भावनि ।।
|| मानस शुकतीरथ || Ram Katha 977- Shuktal || ❊मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 292 | इंदौर, शनिवार 09 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

● बंगाल में बीजेपी का ऐतिहासिक उदय

शुभेंदु अधिकारी बने पहले मुख्यमंत्री

कोलकाता, एजेंसी। शुभेंदु अधिकारी बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। राज्यपाल आरएन रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में कम से कम 20 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बीजेपी के दिग्गज नेता पहुंचे हैं। बीजेपी ने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हारने वाले दिग्गज नेता शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया था। उन्होंने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा कल ही पेश कर दिया था। मशहूर ब्रिगेड परेड ग्राउंड ने भव्य शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही टीएमसी के 15 साल का शासन खत्म हो गया है और पहली बार बंगाल में बीजेपी का सियासी सूर्योदय हुआ है।

मप्र सरकार का फैसला

90 डिग्री ब्रिज केस के सभी 7 इंजीनियर बहाल, विवाद के बाद हुए थे सस्पेंड

भोपाल, (एजेंसी) भोपाल के चर्चित 90 डिग्री एंगल वाले रेलवे ओवरब्रिज मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पहले सस्पेंड किए गए सभी 7 इंजीनियरों को बहाल कर दिया है. इस फैसले के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है. जिन इंजीनियरों को बहाल किया गया है, उनमें दो चीफ इंजीनियर भी शामिल हैं. हालांकि सरकार ने साफ किया है कि मामले की विभागीय जांच अभी जारी रहेगी और जल्द ही जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा.

इंजीनियर-इन-चीफ कार्यालय में हुई तैनाती

सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक बहाल किए गए सभी इंजीनियरों की पोस्टिंग इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) कार्यालय में की गई है. साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि पीडब्ल्यूडी ब्रिज डिवीजन के तत्कालीन प्रभारी चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा, तत्कालीन एसडीओ रवि शुक्ला और उप यंत्री उमाशंकर मिश्रा के खिलाफ विभागीय जांच जारी रहेगी. इन अधिकारियों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी तथ्यों की जांच की जाएगी. बाकी इंजीनियरों पर फिलहाल किसी प्रकार की विभागीय जांच नहीं बैठाई गई है.

दरअसल भोपाल में बने इस रेलवे ओवरब्रिज की डिजाइन को लेकर उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जब पुल का एक हिस्सा लगभग 90 डिग्री एंगल पर मुड़ता दिखाई दिया. सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हुए थे. लोगों ने इसे इंजीनियरिंग की बड़ी चूक बताते हुए सरकार और लोक निर्माण विभाग की जमकर आलोचना की थी. विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा था और इसे जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ बताया था.

"शादी संस्कार है सिर्फ इवेंट नहीं"

वो मंत्र, वो विधि, जो पीढ़ियों से रिश्ते को संस्कार देती आई है,उसे आज "बैकग्राउंड एक्टिविटी" बना दिया गया है।

आजकल के शादियों का नया ट्रेंड देख रहे हो?

विवाह कम... "इवेंट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट" ज्यादा लगने लगा है।

हल्दी में थीम, मेहंदी में डीजे, संगीत में एंट्री शॉट, ड्रोन कैमरा, स्लो मोशन, रील्स के लिए 20 टेक...

पर जैसे ही असली विवाह विधि शुरू होती है—

"पंडित जी जल्दी करिए",

"इतना लंबा क्यों?",

"बस सिंपल कर दीजिए..."

वो मंत्र, वो विधि, जो पीढ़ियों से रिश्ते को संस्कार देती आई है,

उसे आज "बैकग्राउंड एक्टिविटी" बना दिया गया है

और हद तो तब होती है जब

पुरोहित का मज़ाक उड़ाकर, उन्हें "ओल्ड फैशन" या "बोरिंग" कहकर

लोग खुद को मॉडर्न समझते हैं।

सवाल ये नहीं है कि शादियों में खुशियां क्यों हैं—

सवाल ये है कि क्या हम दिखावे के चक्कर में अपने ही संस्कारों को साइडलाइन कर रहे हैं?

रातभर डीजे पर थिरकने का टाइम है,

पर सात फेरे के मंत्र सुनने का धैर्य नहीं?

शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं,

दो परिवारों, परंपराओं और विश्वासों का संगम है। थोड़ा रुककर सोचिए...

क्या हम "वायरल रील" के लिए शादी कर रहे हैं

या "जीवनभर के रिश्ते" के लिए?

#सोच_बदलिए #संस्कार_समझिए #शादी_या_शो

-बाबापण्डित (http://www.babapandit.com)

पोलोग्राउंड की दो फैक्ट्रियों पर निगम की कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम ने शुक्रवार को एमआर-4 रोड पर बड़ी रिमूवल कार्रवाई करते हुए दो फैक्ट्रियों के अवैध हिस्सों को तोड़ दिया। निगम अधिकारियों के मुताबिक ये हिस्से प्रस्तावित सड़क निर्माण में बाधक बन रहे थे। कई बार नोटिस देने के बावजूद निर्माण नहीं हटाए जाने पर कार्रवाई की गई।

नगर निगम का अमला सुबह भारी मशीनरी के साथ एमआर-4 रोड पहुंचा। यहां दिवाकर कॉपी हाउस और विंध्या इंटरप्राइजेस की बिल्डिंग के अवैध

हिस्सों को तोड़ा गया। झोन क्रमांक-4 के भवन अधिकारी आशीष राठौर ने बताया कि दिवाकर कॉपी हाउस का करीब 16 मीटर हिस्सा हटाया गया, जबकि विंध्या इंटरप्राइजेस का लगभग 10 मीटर हिस्सा तोड़ने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान निगम की टीम दो पोकलेन और दो जेसीबी मशीन लेकर पहुंची थी। करीब तीन घंटे तक चली कार्रवाई में अवैध निर्माण हटाए गए। भवन अधिकारी राठौर के मुताबिक इंदौर मास्टर प्लान-2021 में एमआर-4 रोड की चौड़ाई 45 मीटर प्रस्तावित है। सड़क निर्माण कार्य में ये दोनों निर्माण बाधक बन रहे थे। मामला वर्ष 2022 से लंबित था और संबंधित पक्षों को स्टे मिला हुआ था। दिसंबर 2025 में स्टे समाप्त होने के बाद निगम ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान किसी तरह का विवाद न हो, इसके लिए मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा। पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर व्यवस्था संभाली। निगम अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई से पहले संबंधित पक्षों को अवैध हिस्से हटाने के लिए नोटिस भी दिए गए थे।

अपने ही विधायक को कांग्रेसी बता गए मंत्री सिलावट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट गुरुवार को उस वक्त असहज स्थिति में फंस गए, जब वे अपनी ही पार्टी के आलोट विधायक और पूर्व सांसद चिंतामणि मालवीय को पहचान नहीं पाए। मामला इतना बिगड़ गया कि मंत्री ने मालवीय पर लगे यौन शोषण के आरोपों को पहले तो कांग्रेस का अंदरूनी मामला बता दिया। कहा- आरोप सही होंगे, तभी लगाए गए होंगे।

यह वाकया प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुआ। दरअसल, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय पर एक महिला का यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। इसके बाद मालवीय ने 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस भी भेजा है। इसे ही लेकर ही मीडिया ने सवाल पूछा। इस पर मंत्री सिलावट ने जवाब दिया- यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। मुझसे क्यों पूछ रहे हो? मंत्री सिलावट का जवाब सुनते ही मंच पर मौजूद बीजेपी नेताओं ने उन्हें टोका और याद दिलाया कि मालवीय उनकी ही पार्टी के विधायक हैं। इसके बाद भी मंत्री सिलावट स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए और बात को घुमाते नजर आए। पहले उन्होंने कहा- आरोप सही होंगे, तभी लगाए गए होंगे। निष्पक्ष जांच होगी। कुछ देर बाद बयान पलटते हुए आरोपों को बेबुनियाद बता दिया और मालवीय की शिकायत को सही ठहराया।

निगम का एक्शन

दो मार्केट की 50 दुकानों को किया सील, टैक्स जमा करने को कहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बकाया टैक्स को लेकर नगर निगम की मुहिम तेज हो गई है। बकायादारों को टैक्स जमा करने के लिए कहा जा रहा है। शुक्रवार को नगर निगम की टीम एक्शन मोड में नजर आई। झोन क्रमांक 3 में नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए दो मार्केट की 50 दुकानों को सील करने की कार्रवाई की। हालांकि इस दौरान अधिकारी ढोल लेकर मार्केट में दुकानें सील करने पहुंचे थे।

झोन क्रमांक 3 के एआरओ अनिल निगम ने बताया कि आज जेल रोड पर सिद्धि विनायक मार्केट और मिश्रा चेंबर में बकाया टैक्स के चलते दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई। साथ ही संचालकों को बकाया टैक्स जमा करने के लिए कहा गया है। एआरओ ने बताया कि सिद्धि विनायक मार्केट पर 3 से साढ़े तीन लाख रुपए का संपत्तिकर बकाया है। यहां पर अलग-अलग फ्लोर पर दुकानें बनी है। यहां निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए 40 दुकानों को सील किया है। वहीं दूसरी तरफ मिश्रा चेंबर में भी नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए 10 दुकानों को सील किया है, यहां पर 4 लाख रुपए संपत्तिकर बकाया है। इस प्रकार कुल 50 दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई है और टैक्स जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि सिद्धि विनायक वालों को पिछले साल भी नोटिस दिया था, उन्होंने टैक्स जमा करने का आश्वासन दिया था, मगर जमा नहीं किया। एआरओ अनिल निकम ने 9 मई को नगर निगम के सभी झोनल ऑफिस और निगम मुख्यालय पर नेशनल लोक अदालत आयोजित की जा रही है। जिसमें संपत्तिकर और जलकर के सरचार्ज में छूट दी जा रही है। जिसका फायदा बकायादार उठा सकते है। एआरओ ने बताया कि दोपहर तक उनके द्वारा टैक्स जमा नहीं किया गया, जिसके चलते दुकानें सील है।

सोनम रघुवंशी जेल से बाहर रहेगी या अंदर 12 मई को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मेघालय में चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी राज कुशवाह को एक बार फिर अदालत से राहत नहीं मिली है। शिलॉन्ग सेशन कोर्ट ने राज कुशवाहा सहित आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत और विशाल चौहान की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। यह चौथा मौका है, जब राज कुशवाहा की जमानत अर्जी अदालत ने नामंजूर की है।

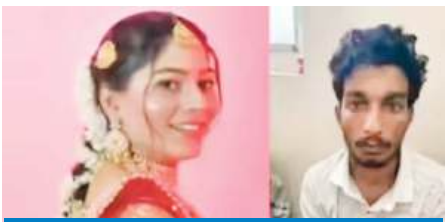

'बॉयफ्रेंड' राज कुशावहा को भी नहीं मिली जमानत

कोर्ट के इस फैसले के बाद चारों आरोपियों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। राजा रघुवंशी केस के चारों आरोपियों ने अदालत में दायर अपनी याचिका में कहा था कि उनकी गिरफ्तारी के दौरान संविधान के अनुच्छेद 22(1) का उल्लंघन किया गया। आरोपियों का कहना था कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण और आधार की जानकारी नहीं दी थी। इसी आधार पर उन्होंने कोर्ट से जमानत देने की मांग की थी। हालांकि सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने आरोपियों के दावों को खारिज कर दिया। शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि गिरफ्तारी के समय आरोपियों को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई थी। साथ ही उन्हें कानूनी सहायता लेने की सलाह भी दी गई थी। सरकारी वकील के अनुसार इंदौर में गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों से वकील रखने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने तत्काल वकील लेने से इनकार कर दिया था। आरोपियों ने पुलिस को बताया था कि वे अपनी पसंद का वकील स्वयं तय करेंगे। सरकारी पक्ष ने कहा कि जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य सामने आए हैं और मामला बेहद गंभीर प्रकृति का है। ऐसे में आरोपियों को जमानत दिए जाने से जांच और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने चारों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। इधर, इस हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत को लेकर भी कानूनी लड़ाई जारी है। फिलहाल सोनम जमानत पर जेल से बाहर है और शिलांग में रह रही है। मेघालय सरकार ने निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील दायर की है। सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि सेशन कोर्ट ने मामले की गंभीरता को पर्याप्त रूप से नहीं परखा और उपलब्ध तथ्यों का सही मूल्यांकन किए बिना जमानत दे दी।

बीमारी के तनाव में महिला ने पीया एसिड, इलाज के दौरान मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने गंभीर बीमारी और मानसिक तनाव के चलते आत्मघाती कदम उठा लिया। महिला ने घर में एसिड पी लिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक दुर्गा कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय ललिता पति मूलचंद जोशी ने बुधवार को अपने घर में एसिड पी लिया था। हालत बिगड़ने पर बेटे ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। गुरुवार को डॉक्टरों ने उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां रात में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दीपावली के समय ललिता गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं और उनका ऑपरेशन भी हुआ था। ऑपरेशन के बाद भी उन्हें लगातार यह डर बना हुआ था कि उनका इलाज सही तरीके से नहीं हुआ। इसी बात को लेकर वह पिछले करीब छह महीने से तनाव में थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महूनाका पर भाजपा नेताओं और ट्रैफिक पुलिस में विवाद

चक्काजाम-प्रदर्शन के बाद दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। महूनाका चौराहे पर शुक्रवार दोपहर भाजपा नेताओं और ट्रैफिक पुलिस के बीच विवाद की स्थिति बन गई। भाजपा के विधानसभा-4 प्रभारी वीरेंद्र शेडगे ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाया। घटना के बाद बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया।

यातायात पुलिस ने विरोध बढ़ते देख एक्शन लेते हुए दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों कॉन्स्टेबल शेखर और सूबेदार लक्ष्मी को निलंबित कर दिया है। ट्रैफिक टीआई राधा यादव को कार्यालय में अटैच कर दिया है। एसीपी शिवेंदु जोशी ने बताया कि सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। फुटेज सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं वीरेंद्र शेडगे ने बताया, मुझे सिग्नल के यहां रोक कर चांटा मार दिया। मैंने इसका विरोध किया। मैंने इस मामले में वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक वीरेंद्र शेडगे तरण पुष्कर का काम संभालते हैं और विधानसभा-4 के प्रभारी भी हैं। शुक्रवार दोपहर वह दोपहिया वाहन से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान महूनाका चौराहे पर टीआई राधा यादव, श्रद्धा और लक्ष्मी धुर्वे हेलमेट चेकिंग कर रही थीं। बताया जा रहा है कि चेकिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी अचानक वीरेंद्र शेडगे के सामने आ गया और हाथ देकर उनकी बाइक रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि जब बाइक नहीं रुकी तो पुलिसकर्मी ने चलती गाड़ी पर हाथ उठा दिया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। वहीं ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का आरोप था कि वीरेंद्र शेडगे मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चला रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और संबंधित महिला टीआई व पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। मामला बढ़ने पर ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने सीसीटीवी और वीडियो फुटेज की जांच की। बताया जा रहा है कि जांच में वीरेंद्र शेडगे मोबाइल पर बात करते हुए नजर नहीं आए। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता महिला टीआई और अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग पर अड़ गए। विरोध बढ़ने पर कार्यकर्ताओं ने महूनाका चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने से इलाके में यातायात प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

टीआई राधा यादव ने बताया कि वह पलासिया डीसीपी कार्यालय में बैठक में मौजूद थीं। वहां से कार्यालय लौटने के दौरान उन्हें महूनाका क्षेत्र में सूबेदार लक्ष्मी धुर्वे के साथ विवाद की सूचना मिली। जब वह मौके पर पहुंचीं, तब वहां बहस जारी थी। इसी दौरान एसीपी सुप्रिया चौधरी ने उन्हें उषानगर में डायवर्जन व्यवस्था संभालने के लिए भेज दिया। टीआई यादव ने कहा कि बाद में उन्होंने पूरे मामले में हस्तक्षेप किया, लेकिन विवाद की शुरुआत के समय वह मौके पर मौजूद नहीं थीं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों की गई, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से भी यह स्पष्ट हो जाएगा कि विवाद के दौरान वह वहां मौजूद नहीं थीं। उन्होंने यह भी बताया कि भाजपा कार्यकर्ता मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे, इसी बात को लेकर उन्हें रोका गया था, जिसके बाद विवाद की स्थिति बनी।

चलती बाइक में लगी आग, खाक

इंजन के पास शॉर्ट सर्किट से सुलगी आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एलआईजी स्क्वेयर चौराहे पर शुक्रवार दोपहर अचानक एक बाइक में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और बाइक जलकर पूरी तरह खाक हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 3:15 बजे एलआईजी स्क्वेयर पर बाइक में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बाइक के इंजन के पास शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। हालांकि आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बाइक जल गई। घटना के दौरान विजय नगर से लिंक रोड की ओर जाने वाले ट्रैफिक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय के लिए लेफ्ट टर्न से वाहनों की आवाजाही भी रोक दी गई थी।

युवक को फीनिक्स मॉल के पास वाहन ने मारी टक्कर, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर देर रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक को किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी थी।

गंभीर हालत में राहगीरों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान अशोक निवासी मूसाखेड़ी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से खंडवा जिले का रहने वाला था और इंदौर में ड्राइवरी का काम करता था।

बताया जा रहा है कि देर रात वह बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान फीनिक्स सिटी के सामने तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल हालत में पड़े युवक को देखा और एंबुलेंस की मदद से एमवाय अस्पताल पहुंचाया। देर रात युवक के पास मिले मोबाइल और दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने परिवार से संपर्क किया। कनाड़िया पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस ने कारों के कांच फोड़ने वालों का जुलूस निकाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र की तीन कॉलोनियों में बदमाशों ने एक के बाद एक करीब आधा दर्जन चार पहिया वाहनों पर पत्थर फेंककर तोड़फोड़ की थी। मामले में पुलिस को बाबूनाथ और उसके साथी आरसी चौहान के नाम सामने आए। पुलिस ने गुरुवार शाम दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद शुक्रवार को इलाके में उनका जुलूस निकाला गया।

द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात करीब 2 बजे सत्यदेव नगर, नार्थ मोहल्ला और सूर्यदेव नगर के रहवासी शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। लोगों ने बताया कि बदमाशों ने आधा दर्जन वाहनों पर पथराव कर नुकसान पहुंचाया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में दो बदमाश नजर आए, जिनकी पहचान के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी बाबूनाथ और आरसी चौहान ने पुलिस को बताया कि वे इलाके में खुद को बदमाश के रूप में पहचान दिलाना चाहते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने कारों पर पथराव किया। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों आरोपियों का इलाके में जुलूस भी निकाला। वहीं द्वारकापुरी पुलिस ने मोनू पुत्र अशोक प्रजापत निवासी इंडियन स्कूल क्षेत्र और उसके साथी पवन पुत्र राजेंद्र महीना को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने सड़क पर एक युवक के साथ जमकर मारपीट की थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

शुरू हुआ तीन दिवसीय मैंगो जत्रा

कोंकण से पहुंचे जीआई टैग वाले हापुस, मालदा और अल्फांसो आम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आम प्रेमियों को आज खास सौगात मिली। ग्रामीण हाट बाजार में तीन दिवसीय 'मैंगो जत्रा 2026' का भव्य शुभारंभ हो गया है। 8 से 10 मई तक चलने वाले इस मेले में शहरवासी को सीधे महाराष्ट्र के कोंकण से आए असली हापुस (अल्फांसो) आम का स्वाद मिलेगा।

जत्रा में 5 से अधिक प्रमुख किस्म के आम आकर्षण का केंद्र रहें। रत्नागिरी हापुस (अल्फांसो),पायरी, मालदा, दशहरीयह मेले का मुख्य आकर्षण है। इसकी कीमत साइज के अनुसार 900 से 1300 प्रति दर्जन तक है। छोटे साइज के हापुस 500 के दो दर्जन तक में भी उपलब्ध हैं। रस के लिए सबसे उत्तम माना जाने वाला पायरी आम भी यहां विशेष रूप से मंगाया गया है। अपनी खास मिठास और खुशबू के लिए प्रसिद्ध मालदा आम भी यहां उपलब्ध हैं। केसर व अन्य प्रकार के अलावा कोंकण क्षेत्र के कुछ अन्य स्थानीय प्रकार के आम भी स्टॉल्स पर सजे हुए हैं।

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी

उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर "सुनाही" के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसे अब वर्ष 2025-26 में अंतिम रूप दिया गया है।

सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार- इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह के खिलाफ अभियोजन में देरी पर जताई नाराजगी, कहा- आदेश का पालन करें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह मामले में मध्य प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा अभियोजन स्वीकृति में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सख्त लहजे में कहा, Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए तर्क दिया कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया, तो सीजेआई ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि यह केवल दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि "बेहद दुर्भाग्यपूर्ण" था। एक अनुभवी राजनेता को पता होना चाहिए कि किसी महिला अधिकारी का सम्मान कैसे किया जाता है। कोर्ट ने विशेष जांच दल (SIT) की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत सी हो गई है। एसआईटी जांच पूरी कर चुकी है और पिछले दो हफ्ते से सरकार की अनुमति का इंतजार कर रही है। कोर्ट ने इस देरी पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। यह मामला बीते साल के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस सैन्य कार्रवाई की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के पास रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने कर्नल कुरैशी के धर्म को निशाना बनाते हुए विवादित बयान दिया था। मंत्री ने कहा था, 'जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा।' इस बयान की देशभर में निंदा हुई थी।

25-26 मई को काम नहीं करेंगे बैंककर्मी

भोपाल, एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अवॉर्ड स्टॉफ एम्पलाईज यूनियन के बैनर तले 25 और 26 मई को एसबीआई बैंककर्मी हड़ताल पर रहेंगे। इससे बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ेगा। यूनियन भोपाल सर्कल के महासचिव प्रवीण मेघानी के नेतृत्व में भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेंगे। यह हड़ताल राष्ट्रीय स्तर पर ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन ने घोषित की है। मेघानी ने बताया कि कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित और वैध मांगों को लेकर बैंक प्रबंधन को कई बार मौखिक एवं लिखित प्रतिवेदन दिए गए। बावजूद प्रबंधन ने कोई सकारात्मक पहल नहीं की। इससे कर्मचारियों में नाराजगी है। यूनियन का कहना है कि लंबे समय तक संवाद और शांतिपूर्ण प्रयासों के बाद भी जब समाधान नहीं निकला, तब कर्मचारियों को हड़ताल का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

विधायक सप्रे का ऑफर

300 करोड़ दिलाओ कांग्रेस में रहूंगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद भाजपा के मंचों पर नजर आने वाली सप्रे विधायक निर्मला सप्रे ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सप्रे ने कहा- उमंग सिंघार बीना को जिला बनवा दें। विकास कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपए दिला दें, तो वह उनके साथ रहने को तैयार हैं। जो जिला बनाएगा, हम उनके साथ हैं।

वहीं मीडिया ने पूछा कि- वे आखिर इस समय किस पार्टी के साथ हैं, तो निर्मला सप्रे ने कहा- आप भी जानते हैं कि जब कोर्ट में मामला लंबित हो तो हमें उस पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। जो भी डिसाइड करेगा वह कोर्ट निर्णय करेगा। जनता डिसाइड कर चुकी है। जहां कोर्ट डिसाइड करेगा मैं वहां रहूंगी। सप्रे ने कहा- मैंने खुद कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया था। कोर्ट हमारी पार्टी के उमंग सिंघार गए थे। अगर उनको संशय है तो वह अपना संशय कोर्ट में क्लियर करें। कोर्ट डिसाइड करेगा कि क्या है। मुझे जहां से आमंत्रण मिलता है, मैं वहां जाती हूं। कांग्रेस कार्यालय न जाने के सवाल पर भी निर्मला सप्रे ने कहा, मुझे जहां से आमंत्रण होता है, मैं वहां जाती हूं। जो मुझे बुलाता है मैं वहां चली जाती हूं। पार्टी के कुछ लोग नहीं चाहते कि वे विधायक के रूप में सक्रिय रहें।

उज्जैन में चिंतामण बायपास का विरोध तेज

रेलवे के नए सर्वे पर भड़के ग्रामीण, किसानों और वैदिक गुरुकुल के बटुकों ने किया प्रदर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में रेलवे की प्रस्तावित चिंतामण बायपास योजना को लेकर किसानों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को मंगरोला रोड पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान वैदिक गुरुकुल के बटुक भी विरोध में शामिल हुए।

प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि रेलवे विभाग पहले ही सर्वे और नक्शे की प्रक्रिया पूरी कर चुका था, जिसमें किसानों की जमीनें चिन्हित की गई थीं। इसके बावजूद अब दोबारा सर्वे के नाम पर क्षेत्र में खंभे लगाए जा रहे हैं और भूमि का चिन्हांकन किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित बायपास से मंगरोला सहित आसपास

के कई गांव प्रभावित होंगे। किसानों के मुताबिक अकेले मंगरोला गांव के करीब 38 किसान सीधे तौर पर इस परियोजना की जद में आ रहे हैं। वहीं गांव की लगभग 40 से 50 बीघा जमीन प्रभावित होने का अनुमान है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस योजना से स्कूल, वेद आश्रम, चिंतामण और मंगरोला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क, बाग-बगीचे और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी प्रभावित होंगे। किसानों ने रेलवे को सुझाव देते हुए कहा कि शिप्रा केबिन क्षेत्र की ओर से कम दूरी और कम लागत वाला वैकल्पिक अंडरपास मार्ग बनाया जा सकता है।

किसान दीपक, जीत सिंह फौजी और सूर्यपाल सिंह ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासन और रेलवे विभाग को शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं अखिल भारतीय नागदा अग्निहोत्री धर्मशाला में संचालित वैदिक गुरुकुल के संचालक आचार्य दीपक पाठक ने भी योजना का विरोध किया। उन्होंने कहा कि धर्मशाला परिसर में देश के विभिन्न राज्यों से आए 25 से 50 बटुक वैदिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जो इस योजना से प्रभावित होंगे।

संपादकीय

सोशल मीडिया पर 'सेंसरशिप' और लोकतांत्रिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (AAP) की एक याचिका पर केंद्र और गुजरात सरकार से जवाब मांगा। यह याचिका पिछले महीने स्थानीय निकाय चुनावों से ठीक एक दिन पहले, AAP की गुजरात इकाई के इंस्टाग्राम और फेसबुक हैंडल को निलंबित करने वाले सरकारी आदेशों के खिलाफ दायर की गई थी। याचिका में कोर्ट से अपील की गई कि वह 25 अप्रैल को सोशल मीडिया हैंडल सस्पेंड किए जाने के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित रिकॉर्ड तलब करे। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट से यह भी आग्रह किया गया कि वह रजिस्टर्ड राजनीतिक दलों के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक या सस्पेंड करने की शक्तियों के प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय निर्धारित करे। वकील सिद्धांत शर्मा की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। हालांकि, अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर कुछ विशिष्ट आधारों पर सीमाएं भी लगाई गई हैं। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र और राज्य को नोटिस जारी किए और इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष लंबित एक संबंधित मामले के साथ जोड़ दिया। पीठ ने कहा, 'हम नोटिस जारी करेंगे और इसे उस मामले के साथ टैग कर देंगे।' हालांकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जोर देकर कहा कि कोर्ट सरकार को नोटिस जारी न करे, बल्कि इसके बजाय याचिका की एक प्रति उन्हें उपलब्ध करा दी जाए। AAP की ओर से पेश वरिष्ठ वकील शदान फरासात ने कहा कि याचिका में यह अहम सवाल उठाया गया है कि क्या सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79(3)(b) ऐसे आदेश जारी करने का आधार बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान केवल सोशल मीडिया मध्यस्थों को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा देता है और अकाउंट सस्पेंड करने की शक्ति प्रदान नहीं करता। धारा 79 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स की गतिविधियों के लिए सीमित दायित्व से छूट मिलती है, बशर्ते वे सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। सुनवाई के दौरान फरासात ने कोर्ट से मामले की जल्द सुनवाई और अंतरिम राहत देने की मांग की। उन्होंने कहा, 'आज मेरा पोर्टल बंद है, मुझे तत्काल राहत चाहिए।' AAP ने अदालत से अपने करीब 8 लाख फॉलोअर्स वाले अकाउंट्स के सस्पेंशन को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की है। पार्टी ने यह भी कहा कि भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल का अकाउंट बंद करने से पहले सरकार लिखित कारण बताए और कार्रवाई IT एक्ट की धारा 69A तथा संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप ही हो।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी :

पंच परमेश्वर

जुम्मन शेख और अलगू चौधरी दो पक्के दोस्त थे। वो हिस्सेदारी में खेती करते थे, यहां तक कि उनका कुछ लेन-देन भी एक साथ होता था। दोनों एक दूसरे पर पूरा विश्वास करते थे। जुम्मन जब हज पर गया, तो अलगू पर अपने घर की जिम्मेदारी छोड़ गया था और जब अलगू बाहर किसी काम से जाता, तो जुम्मन को अपने घर की जिम्मेदारी दे दिया करता था। अलग-अलग धर्म के होने के बावजूद दोनों के बीच भाइयों जैसा प्यार था और यही उनकी दोस्ती का मूल मंत्र भी था।

जुम्मन शेख की एक बूढ़ी मौसी (खाला) थी, जिनके पास थोड़ी बहुत जमीन थी। जुम्मन के अलावा उसका कोई नहीं था। जुम्मन ने किसी तरीके से वो जमीन अपने नाम करवा ली थी। जमीन की रजिस्ट्री जुम्मन के नाम न होने तक मौसी का खूब ख्याल रखा गया। अच्छा खाना, अच्छा व्यवहार व आदर सब मिलता था, लेकिन एक बार जब रजिस्ट्री हुई, तो ये सब भी जाता रहा। जुम्मन की बीवी रोटियों के साथ मौसी को ताने देने लगी। जुम्मन शेख भी कुछ नहीं कहता। जुम्मन की मौसी को उसकी बहू ताने मारती, "दो-तीन बीघा जमीन क्या दे दी, मानो मोल ही ले लिया हो।" मौसी ने कुछ दिन तक तो ये सहा, लेकिन जब उससे रहा नहीं गया, तो उसने इसकी शिकायत जुम्मन से कर दी, लेकिन जुम्मन ने औरतों के मामले में दखल देना सही नहीं समझा।

कुछ दिन तक तो ये सब यूं ही चलता रहा, लेकिन जब मौसी से ये सब सहा नहीं गया, तो उसने जुम्मन से कहा, "बेटा अब मेरा तुम्हारे साथ निभ नहीं पाएगा। एक काम करो, मुझे हर महीने पैसे दे दिया करो, मैं अपना गुजारा कर लूंगी।" जुम्मन ने बड़े ही रूखेपन से जवाब देते हुए कहा, "पैसे क्या पेड़ पर लगते हैं?" मौसी ने बड़े ही नम्र भाव से कहा, "मेरे पास रोजी-रोटी के लिए कुछ तो होना चाहिए?" पर जुम्मन मुकर गया। इस पर मौसी गुस्सा हो गई और उसने पंचायत करने की धमकी दे दी। इस पर जुम्मन हंसा और बोला, "हां जरूर करो पंचायत, फैसला हो ही जाए, मैं भी कब तक ये सब सहता रहूंगा।"

जुम्मन को पूरा भरोसा था कि पंचायत का फैसला उसके ही पक्ष में जाएगा। आस-पास के गांव में ऐसा कोई नहीं था, जो जुम्मन के एहसानों तले दबा ना हो। कोई उससे बिगड़ना भला क्यों चाहेगा। उसे अपनी जीत पर कोई संदेह नहीं था, क्योंकि आसमान से फरिश्ते तो पंचायत करने आएंगे नहीं? इस बीच बेचारी मौसी हाथ में लाठी लिए एक गांव से दूसरे गांव दौड़ती रही, एक-एक कदम चलना मुश्किल हो रहा था, लेकिन अब बात आन पड़ी थी, तो उसका निर्णय होना तो जरूरी था।

गांव में शायद ही ऐसा कोई शख्स होगा जिसको बुढ़िया ने अपना दुखड़ा ना सुनाया हो। किसी ने तो बुढ़िया की बातों को ऊपर-ऊपर से ही सुना, तो किसी ने उसके प्रति अपनी संवेदनाएं दिखाई। ऐसे बहुत ही कम लोग थे, जिन्होंने बुढ़िया की बातों को गौर से सुना हो। सब तरफ घूम-घाम के अंत में बुढ़िया अलगू चौधरी के पास पहुंची। अपनी लाठी किनारे रखते हुए उसने अलगू से कहा, "बेटा तुम भी मेरी पंचायत में आना।" अलगू ने कहा, "मुझे बुलाकर क्या करोगी मौसी? गांव के और लोग तो आएंगे ही।"

मौसी बोली, "अपनी मुसीबत का रोना सबके आगे रो आई, अब आना न आना उनके अधिकार में है।" इस पर अलगू ने कहा, "आने को तो आ जाऊंगा मौसी, पर वहां मैं कुछ बोलूंगा नहीं।" मौसी ने पूछा, "क्यों?" जवाब में अलगू ने कहा, "जुम्मन मेरा पुराना दोस्त है और मैं उसके साथ अपना रिश्ता बिगाड़ नहीं सकता।" मौसी बोली, "तो क्या बिगड़ने के डर से अपने दिल की नहीं कहोगे वहां?" अलगू मौसी के इस सवाल का जवाब नहीं दे सका, लेकिन उसके दिलो-दिमाग में यह सवाल बार-बार गूंजे जा रहा था।

शाम के समय पंचायत बैठी, जुम्मन ने पहले से ही पंचायत के बैठने के लिए इंतजाम कर रखा था। पंचायत शुरू हुई और बूढ़ी मौसी ने पंचों से निवेदन करते हुए कहा, "पंचों आज तीन साल हो गए, मैंने अपनी सारी जमीन जुम्मन के नाम कर दी। इसके बदले में इसने मुझे रोटी-कपड़ा देना मंजूर किया था। साल भर तो जैसे-तैसे काट लिया, पर अब रोज-रोज का सहा नहीं जाता। अब मुझे ना तो रोटी मिल रही है और ना ही कपड़ा। अब इस उम्र में कोर्ट-कचहरी जा नहीं सकती, ऐसे में तुम लोगों के सिवा मैं किसे अपना दुख बताऊं? तुम्हारा जो फैसला होगा, वह मैं मान लूंगी।"

रामधन मिश्र, जिनके कुछ परिचित असामियों को जुम्मन ने अपने गांव में बसाया था, उन्होंने जुम्मन से पूछा, "हां मियां तुम किसी पंच को बदलना चाहो, तो अभी कर लो, बाद में जो पंच कहेंगे, वो फैसला तुम्हें मानना होगा।" जुम्मन को फिलहाल सदस्यों में वही लोग दिखाई दे रहे थे, जिनसे किसी ना किसी कारण उसका मनमुटाव था। जुम्मन ने रामधन मिश्र को उत्तर देते हुए कहा, "मेरे लिए पंचों का हुक्म अल्लाह के हुक्म की तरह है, मुझे कोई आपत्ति नहीं।"

इस पर बूढ़ी मौसी जुम्मन से बोली, "पंच किसी के दोस्त या फिर दुश्मन नहीं होते, अगर तुम्हारा किसी पर विश्वास नहीं है, तो रहने दो तुम, अलगू को तो अच्छी तरह से जानते हो ना, तो मैं उसे ही सरपंच बनाती हूं।" यह बात सुनकर जुम्मन अंदर ही अंदर बहुत खुश हुआ। अपनी भावनाओं को छुपाते हुए जुम्मन ने कहा, "चलो अलगू चौधरी भी ठीक है, मेरे लिए तो जैसे रामधन वैसे अलगू।"

अलगू ने जैसे ही यह बात सुनी, तो वो थोड़ा असमंजस में पड़ गया, वो इससे कत्री काटना चाहता था, सो वह बोला, "अरे मौसी, तुम तो जानती हो कि मैं और जुम्मन बहुत अच्छे दोस्त हैं।" इस पर मौसी ने थोड़ा गंभीर होते हुए कहा, "बेटा दोस्ती के लिए कोई अपना ईमान तो नहीं बेचता। पंच तो खुदा का ही नुमाइंदा होता है।"

इस पर अलगू चौधरी ने जुम्मन से कहा, "देखो मैं और तुम पुराने दोस्त हैं। हमने हमेशा एक-दूसरे की मदद की है, लेकिन अब पंचों से जो भी निवेदन तुम्हें करना है वो करो।" अलगू की बात सुनकर जुम्मन ने सोचा कि अलगू ये सब बातें केवल दिखावे के लिए ही कर रहा है। इसलिए, जुम्मन पूरे विश्वास के साथ बोला, "पंचों मेरी मौसी ने अपनी जमीन मेरे नाम कर दी थी। इसके बदले में मैंने उनका ख्याल रखना कबूल किया था। इस बात का खुदा गवाह है कि मैंने आज तक अपनी मौसी को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आने दी, लेकिन औरतों में आपस में अनबन रहती है, इसमें मैं क्या कर सकता हूं। इसके अलावा मौसी मुझसे अब महीने का खर्च अलग से देने को बोल रही हैं। इन्होंने मेरे नाम अपनी कितनी जायदाद की है, ये सभी लोगों को पता है और उससे इतना लाभ नहीं कि मैं मौसी का महीने का खर्च निकाल सकूं। दान पत्र में भी इस तरह के खर्चे का कोई जिक्र नहीं है। अगर ऐसा होता, तो मैं इस तरह के झमेले में पड़ता ही नहीं, बाकि पंचों को जैसा ठीक लगे वैसा फैसला करें।"

अलगू चौधरी को कभी-कभार कचहरी का काम पड़ ही जाता था। इसलिए, वो कानून के बारे में अच्छी समझ रखता था और कानून का भी पक्का था। इसलिए, उसने जुम्मन से तर्क करना शुरू किए। अलगू का एक-एक सवाल जुम्मन को बहुत खटक रहा था। वो इस बात को लेकर हैरान था कि अभी थोड़ी देर पहले तक तो अलगू किस तरह की बातें कर रहा था और अब एकदम से ना जाने उसे क्या हो गया।

जुम्मन अभी इसी सोच विचार में था कि इतने में अलगू ने अपना फैसला सुनाया, "जुम्मन, पंचों ने तमाम दलीलों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला है कि मौसी को तुम्हें हर महीने खर्चा देना ही पड़ेगा, अगर तुम्हें यह फैसला मंजूर नहीं हो, तो जो जायदाद को लेकर करारनामा है उसे रद्द समझा जाएगा।"

फैसला सुनकर जुम्मन के होश उड़ गए। उसे यह समझ नहीं आ रहा था कि यह फैसला उसका दोस्त सुना रहा है या फिर उसका कोई दुश्मन। उसे ऐसा लगा रहा था जैसे उसे किसी ने बहुत बड़ा धोखा दिया हो। अब जुम्मन को बस हर वक्त यही बात खाए जा रही थी कि वो अपने साथ हुए उस धोखे का बदला कब ले। आखिर वो दिन आ ही गया और जुम्मन को अलगू से बदला लेने का मौका भी मिल गया। अलगू बटेसर से बैलों की एक जोड़ी खरीद कर लाया था, जिसमें से एक बैल की मौत हो गई। इस पर जुम्मन सब से कहता फिरता, "यह तो उस धोखे की सजा है। इंसान चाहे कुछ भी करे, लेकिन वो खुदा सब देखता है।"

वहीं, अलगू चौधरी को इस बात का शक था कि उसके बैल की मृत्यु ऐसे ही नहीं हुई है, बल्कि हो सकता है कि जुम्मन ने बैल को जहर दिया हो। चौधराइन ने भी इसे लेकर हामी भरी। इसी बात को लेकर एक दिन चौधराइन और जुम्मन की बीवी के बीच में काफी बहसबाजी भी हुई।

अब अलगू को यह समझ नहीं आ रहा था कि वो अकेले बैल का करे भी तो क्या करे। गांव में ही एक समझू साहू नाम का व्यक्ति था। वो इक्का गाड़ी चलाता था। उसका काम गांव से गुड़ लादकर शहर की मंडी ले जाना और वहां से तेल व नमक आदि लाना था। समझू का मन अलगू के बैल पर आ गया था। उसने देखा कि बैल काफी अच्छा है, तो दिन में दो से तीन चक्कर शहर के हो जाएंगे, तो उसने इस बारे में अलगू से बात की और एक तय दाम में बैल ले जाकर अपने खूंटे में बांध दिया।

समझू को नया बैल क्या मिला वो फूले ना समाता। दिन में चार-चार चक्कर शहर के लगाने लगा। ना उसे बैल के चारे की फिक्र होती और ना ही उसके पानी की। रात को बस रूखा-सूखा भूसा सामने डाल दिया करता था। बेचारा बैल दम नहीं ले पाता था कि समझू उसे फिर हांक देता। एक दिन शहर का चौथा चक्कर लगाकर समझू साहू वापस आ रहा था। उसने इक्के पर दोगुना वजन लादा था। दिनभर की थकान से बैल मुश्किल से ही चल पा रहा था। अंधेरा होने वाला था और समझू को पहुंचने की जल्दी लगी थी। ऐसे में वो उसे कोड़े मारकर भगाता जाता, लेकिन अंत में जानवर से सहा नहीं गया और वो धरती पर गिर पड़ा। बैल गिरा भी ऐसा कि उसने प्राण छोड़ दिए।

दिनभर के चक्कर लगाने के बाद साहू जी के पास कोई ढाई सौ रुपये कमाई बनी थी, जो उसकी कमर में बंधी थी। इसके अलावा, नमक के बोरे भी गाड़ी में थे, ऐसे में गाड़ी को छोड़कर भी वो जा नहीं सकता था। इस तरह उसने रात को वहीं रुकने का फैसला किया। पहले हुक्का और फिर चिलम पीकर साहू जी अपनी नींद को भगाने की कोशिश करते रहे, लेकिन ना जाने कब आंख लग गई। जब नींद खुली, तो इसके साथ ही होश भी उड़ गए। कमर से बंधी थैली गायब थी।

इस घटना को करीब एक महीना बीत गया। अलगू जब अपने बैल के पैसे लेने साहू जी के पास गया, तो मामला ही उलटा पड़ गया। साहू तो साहू उसकी बीवी भी उसपर झल्ला पड़ी। साहू बिगड़ते हुए बोला, "यहां हमारी पूरी कमाई लूट गई और इन्हें अपने पैसों की पड़ी है। कमजोर बैल थमा दिया और अब उसके भी पैसे मांगने चले। अगर तसल्ली नहीं मिलती, तो हमारा बैल बाहर बंधा है, उसे ले जाओ, महीना-दो महीना उससे काम करवा लो, इससे ज्यादा क्या लोगे।"

अलगू पहले तो शांत रहकर मामला दबाने में लगे रहे, लेकिन यहां सवाल पैसों का था, तो वो भी गुस्सा पड़े। दोनों का शोर सुनकर गांव के और लोग भी इकट्ठा हो गए। दोनों को शांत करवाते हुए उन्हें पंचायत करने की सलाह दे डाली। अलगू चौधरी और समझू साहू दोनों इसे लेकर राजी हो गए।

फिर क्या था, घटना के ठीक तीसरे दिन पंचायत बैठी। रामधन मिश्र ने कहा, "देर क्यों करें, अपने पंचों का चुनाव कर लो। बोलो अलगू तुम किसे पंच चुनोगे। अलगू ने कहा, "समझू साहू ही इसका निर्णय करें।" इस पर समझू खड़ा हुआ और बोला, "मैं जुम्मन शेख को चुनता हूं।"

जुम्मन का नाम सुनते ही अलगू चौधरी पीला पड़ गया। इस पर रामधन ने पूछा, "क्यों अलगू, तुम्हें इस बात से कोई आपत्ति तो नहीं?" अलगू ने उत्तर दिया, "मुझे कोई आपत्ति नहीं है।"

जुम्मन ने जैसे ही सरपंच का स्थान ग्रहण किया, उसके मन में यह भाव पैदा हुआ कि मैं इस वक्त धर्म के सबसे बड़े स्थान पर बैठा हूं। मैं जो कहूंगा, वो अल्लाह की आवाज होगी। इसलिए, मुझे सत्य के मार्ग पर ही चलना है।

पंचायत शुरू हुई और दोनों पक्षों से सवाल-जवाब का सिलसिला भी। इस बात को लेकर सभी की सहमति थी कि समझू को बैल का खरीद मूल्य तो देना ही होगा, लेकिन दो पंच इस बात को लेकर समझू को थोड़ी राहत देना चाहते थे, क्योंकि बैल के मर जाने से उसे भी हानि हुई थी, लेकिन इसके उलट दो पंच समझू पर बैल के मूल्य के अलावा उस पर अतिरिक्त दंड राशि भी लगाना चाहते थे, ताकि कोई दूसरा पशुओं के साथ इस तरह का क्रूर व्यवहार करने से पहले सौ बार सोचे।

अंत में जुम्मन खड़ा हुआ और फैसला सुनाते हुए बोला, "अलगू चौधरी और समझू साहू, पंचों ने पूरे मामले पर अच्छी तरह से सोच विचार कर यह निर्णय लिया है कि समझू साहू, अलगू चौधरी को बैल के पूरे पैसे देगा, क्योंकि जब बैल खरीदा गया था, तो उसे कोई बीमारी नहीं थी। बैल की मौत उस पर किए जुल्म और कड़े परिश्रम से हुई है।"

इस पर रामधन मिश्र ने खड़े होते हुए कहा, "समझू साहू ने बैल को अपने किए की वजह से मारा है, इसलिए उससे तो अतिरिक्त दंड भी लेना चाहिए।" इस पर जुम्मन ने कहा, "यह दूसरा मसला है, इसे अभी उठाने का कोई मतलब नहीं।" इस पर झगड़ू साहू बोले, "पर समझू को भी थोड़ी रियायत तो मिलनी चाहिए।" इस पर जुम्मन ने कहा, "यह अलगू चौधरी का खुद का फैसला है, अगर वो समझू को रियायत देता है, तो यह उसका बड़प्पन होगा।"

पंचों का यह फैसला सुनकर अलगू चौधरी बहुत खुश हुआ और जोर से नारा लगाते हुए बोला, "पंच परमेश्वर की जय।" पंचायत में मौजूद सभी लोग अलगू के साथ यह नारा लगाने लगे। हर कोई जुम्मन के न्याय नीति की तारीफ कर रहा था।

पंचायत खत्म होने के बाद जुम्मन अलगू के पास आया और रोते हुए उसे गले लगा लिया। जुम्मन बोला, "भाई अलगू, जब तुमने मेरी पंचायत का फैसला सुनाया था, तो मुझे बहुत बुरा लगा था और तब से मैं तुम्हारा शत्रु बन बैठा था, लेकिन आज मुझे इस बात का एहसास हुआ कि जब हम पंच का स्थान ग्रहण करते हैं, तो ना कोई किसी का दोस्त होता है और ना ही दुश्मन। सच और न्याय के सिवा कुछ भी समझ में नहीं आता है।" यह बात सुनकर अलगू चौधरी भी रोने लग गया। दोनों के बीच जो बुराई का मैल था, वो आंसुओं से धुल गया और दोनों की दोस्ती और पक्की हो गई।

कहानी से सीख :

जब हमारे हाथ में निर्णय लेने की शक्ति हो, तो हमें किसी के साथ पक्षपात नहीं करना चाहिए। एक आदर्श न्यायकर्ता वही है, जो सबको समान रूप से देखे।

New Delhi

लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि होंगे देश के नए सीडीएस, हाथ में होगी तीनों सेनाओं की कमान

नई दिल्ली, (एजेंसी) केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को देश का अगला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है. वह वर्तमान सीडीएस जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई, 2026 को समाप्त हो रहा है. पदभार ग्रहण करने के साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे.

लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि का सैन्य करियर बेहद शानदार रहा है. वह वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय) में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं. इससे पहले वह सेना के उपप्रमुख और मध्य कमान के जीओसी-इन-सी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं. उनकी यह नियुक्ति थिएटर कमांड और सशस्त्र बलों के एकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है. लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि नेशनल डिफेन्स अकैडमी (एनडीए), जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (यूके) और नेशनल डिफेन्स कॉलेज (नई दिल्ली) के पूर्व छात्र रह चुके हैं, उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर डिग्री प्राप्त की. दिसंबर 1985 में लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि को गढ़वाल राइफल्स में कमीशन मिला. इस बीच, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है.

Punjab

अब पंजाब में ED की धमक

भगवंत मान सरकार में मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर छापेमारी

पंजाब, (एजेंसी) प्रवर्तन निदेशालय (ED) की अलग-अलग टीम पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा और उनके सहयोगियों के 4 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी के अधिकारी उनके सरकारी आवास पर भी पूछताछ और जांच कर रहे हैं। यह तलाशी चंडीगढ़ और दिल्ली-NCR क्षेत्र में की जा रही है। भगवंत मान के करीबी मंत्री के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है. आपको बता दें हाल ही में पंजाब के मुख्यमंत्रियी के ओएसडी के करीबियों के ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी।

ईडी ने दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में 5 जगहों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के दफ्तरों और संजीव अरोड़ा के घर पर की गई है। ईडी ने एक बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला पकड़ा है। संजीव अरोड़ा के द्वारा अपनी कंपनी के जरिए इसे अंजाम देने का आरोप लगा है। इसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के मोबाइल फोन की फर्जी GST खरीद दिखाई गई थी और फिर दुबई से भारत में अवैध पैसे को 'राउंड ट्रिप' (घुमाकर वापस लाने) करने के लिए इन फोन का निर्यात किया गया था।

आरोप है कि दिल्ली में मौजूद न होने वाली कई फर्मों से कई फर्जी GST खरीद बिल हासिल किए गए थे। इनका इस्तेमाल फर्जी ITC (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दावा करने, निर्यात पर GST रिफंड लेने और ड्यूटी ड्रॉबैक पाने के लिए किया गया। इससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा और संजीव अरोड़ा ने निजी तौर पर खूब पैसा कमाया।

ईडी की इस कार्रवाई पर मुख्यमंत्री भगवंत मान भड़क गए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'आज फिरसे BJP की ED संजीव अरोड़ा के घर आई है।

Rajasthan

पति पर कुल्हाड़ी से हमला,मरा समझकर पत्नी ने किया सुसाइड

उदयपुर, (एजेंसी) उदयपुर में पत्नी ने अपने पति पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला किया। पति को मरा समझकर फिर खुद ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले पति के बड़े भाई (जेठ) को ऑडियो भेजा। ऑडियो में महिला ने कहा- मैं मरूंगी और मारूंगी, दादा अलविदा। मेरी मौत के बाद किसी को परेशान मत करना। पति को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र के मजावड़ी गांव में गुरुवार रात की है। गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया- उमेश गमेती (24) और उसकी पत्नी दुर्गा गमेती (21) गुरुवार रात एक भजन संध्या कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौटे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दुर्गा ने कुल्हाड़ी उठाकर पति उमेश पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस हमले में उमेश गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके कपड़े खून से लथपथ हो गए।

Uttarpradesh

राम, शिव और कृष्ण के बाद अब यूपी बनाएगा गुरु गोरखनाथ आध्यात्मिक सर्किट

लखनऊ, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक पर्यटन को बहुत बड़े स्तर पर विकसित किया है। पहले राज्य सरकार ने भगवान राम से जुड़े स्थानों को मिलाकर अयोध्या को एक बड़ा धार्मिक केंद्र बनाया। इसके बाद काशी (वाराणसी) को भगवान शिव से जोड़ा गया और मथुरा को भगवान कृष्ण की परंपरा के रूप में विकसित किया गया।

अब इसी दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्य सरकार अब गुरु गोरखनाथ से जुड़ा एक नया आध्यात्मिक कॉरिडोर (धार्मिक मार्ग) बनाने की योजना पर काम कर रही है। इस नई योजना को "गुरु गोरखनाथ सर्किट" कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य उन सभी धार्मिक स्थलों को एक साथ जोड़ना है जो नाथ संप्रदाय से जुड़े हुए हैं। इसमें मंदिर, गुफाएं, मठ और ध्यान करने के स्थान शामिल होंगे। इन सभी जगहों को बेहतर सड़क, सुविधाओं और पहचान के साथ एक ही धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाएगा। इस सर्किट का सबसे मुख्य केंद्र गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर होगा। यह मंदिर गोरक्षपीठ का मुख्यालय भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इसी गोरक्षपीठ के प्रमुख (महंत) हैं।

खेल

घर में लगातार पांचवां मुकाबला हारी दिल्ली

फिन एलन के शतक से केकेआर ने चौथी बार चखा जीत का स्वाद

नई दिल्ली, (एजेंसी) अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी की घातक गेंदबाजी के बाद फिन एलन की धुआंधार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने पथुम निसांका की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 142 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर 147 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस सीजन दिल्ली की यह घर में लगातार पांचवीं हार है। वहीं, कोलकाता ने मौजूदा सत्र की चौथी जीत के साथ अंक तालिका में सातवां स्थान हासिल कर लिया। अब उनके खाते में नौ अंक हो गए। हालांकि, नेट रन रेट -0.169 है। वहीं, दिल्ली आठ

अंक और -1.154 नेट रन रेट के साथ आठवें स्थान पर लुढ़क गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान अजिंक्य रहाणे नौ गेंदों में 13 रन बनाने के बाद रन आउट होकर पवेलियन लौटे। वहीं, अंगकृष रघुवंशी को अक्षर पटेल ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। हालांकि, इसके बाद फिन एलन और कैमरन ग्रीन ने मोर्चा संभाला।

दोनों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 116 रनों की अटूट साझेदारी की। एलन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए। अपनी इस पारी में एलन ने 5 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, ग्रीन 27 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में डीसी की तरफ से एकमात्र विकेट कप्तान अक्षर पटेल की झोली में आया। इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 142 रन लगाए। पाथुम निसांका और केएल राहुल ने मिलकर टीम को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। राहुल 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश राणा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर आउट हुए। समीर रिजवी को सुनील नरेन ने 3 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स (2 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (11 रन) का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पाथुम निसांका ने 29 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। वहीं, अंत के ओवरों में आशुतोष शर्मा ने 28 गेंदों में 39 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में केकेआर की ओर से कार्तिक त्यागी ने 4 ओवर में सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर 2 विकेट निकाले।

सिनेमा

आधी रात में अमीषा पटेल ने खोली बॉलीवुड के PR गेम की पोल, लगाई एक्ट्रेसेज की क्लास, किए बड़े दावे

फिल्म गदर की 'सकीना बेगम' यानी एक्ट्रेस अमीषा पटेल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. वो कई बार अपने बेबाक अंदाज की वजह से लोगों की क्लास लगा देती हैं. अमीषा बॉलीवुड को लेकर काफी बार ऐसी बातें बोल जाती हैं, जिससे इंटरनेट पर अलग बहस छिड़ जाती है. अब एक्ट्रेस ने फिर से बॉलीवुड पर कुछ कहा है. अमीषा पटेल ने बीती रात 12 बजे के बाद X पर कई सारे ट्वीट्स किए. जिसमें वो उन बॉलीवुड एक्ट्रेसेज पर निशाना साध रही हैं, जो पैसे देकर सोशल मीडिया पर अपना पीआर कराती हैं. हालांकि अमीषा ने अपने ट्वीट्स में किसी का नाम नहीं लिया है. एक्ट्रेस ने और भी कई बड़े दावे किए हैं, जिससे यूजर्स हैरान हैं. अमीषा ने लिखा है, 'अपने आप को सुपरस्टार तभी बुलाओ, जब तुमने ऐसा कोई काम किया हो जो बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बना दे और धमाका कर दे. तबतक पीआर गेम खेलकर खुद को सुपरस्टार मत कहो. सॉरी, लेकिन यही कढ़वा सच है.' अपने अगले ट्वीट में एक्ट्रेस ने लिखा-बहुत सी एक्ट्रेसेज जो आज तक अपनी करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दे पाई हैं, वो खुद को स्टार बुला रही हैं. साल में सिर्फ 2-2 फिल्में करके और शूटिंग सेट पर घूमने से कोई स्टार नहीं बन जाता. आप बस एक एक्टर बनते हो जो कुछ प्रोजेक्ट्स में काम कर रहा है. अमीषा ने आगे दावे किए कि कई फिल्म एक्ट्रेसेज जिनकी फिल्में 200 करोड़ रुपये भी नहीं कमाती, वो पैसे देकर खुद को नंबर 1 या नंबर 2 एक्ट्रेस बुला रही हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि आज के समय में 100 करोड़ रुपये की फिल्म कोई नहीं बात नहीं, क्योंकि ये साल 2000 नहीं बल्कि 2026 चल रहा है. अमीषा ने कहा कि एक स्टार तभी ग्लोबल सुपरस्टार बनता है, जब उसकी फिल्म ने दुनियाभर में कमाई की हो. उनके मुताबिक, असली स्टारडम तभी मिलता है जब लगातार फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चलें. इसलिए वो कह रही हैं कि ये पीआर गेम बंद होना चाहिए.

Highlights

1. Commuters greeted with roses as Mumbai ladies' special train turns 34
2. Meta ends encrypted messaging support on Instagram
3. Mumbai Mayor Ritu Tawde opens expanded cancer care centre
4. Video shows hoarding flying off at Patna Airport amid heavy rain
5. Was shocked to see my party supporting Vijay on TV, letter may be forged: AMMK chief

'Pay or risk attack': Inside Iran's strict new 'pay-to-pass' Hormuz shipping protocol

NEW DELHI, (Agency). Amid escalating tensions with the United States, Iran has moved to formalise its control over the Strait of Hormuz by creating a new body called the Persian Gulf Strait Authority (PGSA), according to a CNN report. The new authority now requires all commercial vessels to seek permission before transiting through the strategic waterway.

Under the new framework, ships must submit a detailed "Vessel Information Declaration" containing information about vessel ownership, cargo, crew nationalities, identification details and previous ship names.

The document, cited by CNN, warns that "complete and accurate information is essential" and states that "any incorrect or incomplete information provided will be the sole responsibility of the applicant, and any resulting consequences will be borne accordingly".

The Strait of Hormuz is one of the world's most important shipping corridors, carrying nearly one-fifth of global oil and liquefied natural gas supplies. Before the conflict that erupted in February 2026, vessels were able to move through the waterway under international transit rules without restrictions.

Since then, Iran has repeatedly warned that ships entering the strait without approval from the Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) could be targeted. Several commercial vessels have reportedly come under attack, prompting many shipping companies to avoid the route.

Iran's leadership has framed the move as part of a broader geopolitical strategy. Supreme Leader Mojtaba Khamenei called for a "new regional and global order under the strategy of a strong Iran". In another statement, he said: "Foreigners who come from thousands of kilometres away, acting maliciously out of greed, have no place there, except at the bottom of its waters."

upGrad files merger application with CCI for Unacademy acquisition

NEW DELHI, (Agency). Ronnie Screwvala-led upGrad has filed a merger application with the Competition Commission of India (CCI) for its proposed acquisition of Unacademy, according to a regulatory filing reviewed by Moneycontrol.

The filing, submitted on May 7, names "upGrad Education Private Limited" as the acquirer and "Sorting Hat Technologies Private Limited" as the target entity, the legal entity that operates Unacademy.

"The proposed combination relates to an acquisition of shareholding in the Target and its...

Test-prep push

The filing also outlines the strategic rationale behind the proposed transaction.

"The Proposed Combination will enable the Acquirer to enter the online test preparation segment, in which it does not currently have a presence," it said.

Unacademy's online test-prep business, including segments such as UPSC, JEE, NEET and GATE preparation, is expected to form a key part of the proposed acquisition.

While the filing does not disclose financial details, stake size or the final transaction value, it notes that the combination involves a "horizontal overlap" in the broader "market for non-formal education in India."

The proposed acquisition comes amid continued consolidation in India's edtech sector following a sharp correction in funding, valuations and consumer demand after the pandemic boom.

For upGrad, the transaction would significantly expand its presence beyond higher education, study-abroad offerings and professional upskilling into the large online competitive test-prep market.

Unacademy, once among India's most valuable startups, has undergone multiple restructuring exercises over the past two years, including layoffs, business shutdowns and a renewed focus on its core test-prep operations.

Moneycontrol had earlier reported that Unacademy's language learning app AirLearn was expected to be carved out separately from the proposed transaction.

The deal would also mark one of the sharpest valuation resets among Indian unicorns, with the previously discussed $300-400 million range representing a nearly 90 percent drop from Unacademy's peak valuation.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक